शिक्षक दिवस पर ए.पी.जे. कॉलेज ने करवाया विशेष वैबीनार

कोविड-19 महामारी में ऑनलाइन एजुकेशन को अपनाकर सुरक्षित रहें विद्यार्थी

- ए.पी.जे. के शिक्षकों ने 'सच्चे गुरु' की भूमिका निभाई : डा. सुषमा पॉल बर्लिया
- टीचर्स ने सभी को नैतिक मूल्यों से अवगत करवाया : आदित्य, निशान्त

वैबीनार को संबोधित करती डा. सुषमा पॉल बर्लिया, साथ हैं आदित्य बर्लिया, निशान्त बर्लिया व नेहा बर्लिया।

जालंधर, 4 सितम्बर (विनीत): ए.पी.जे. कॉलेज ऑफ फाइन आर्टस की ओर से शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर विशेष ऑनलाइन वैबीनार का आयोजन किया गया, जिसमें ए.पी.जे. एजुकेशन सोसाइटी की अध्यक्षा डा. सुषमा पॉल बर्लिया बतौर मुख्यातिथि शामिल हुई, जबकि ए.पी.जे. सत्या एजुकेशन रिसर्च फाऊंडेशन के आदित्य बर्लिया, ए.पी.जे. सत्या ग्रुप के को-प्रमोटर निशान्त बर्लिया व ए.पी.जे. सत्या एंव स्वर्ण ग्रुप की नेहा बार्लिया विशेषातिथि रहे। ए.पी.जे. कालेज की प्रिंसीपल डा. सुचरिता शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें कॉलेज की विभिन्न उपलब्धियों से अवगत करवाया।

डा. सुषमा पॉल बर्लिया ने कोविड-19 महामारी के दौरान शिक्षण के क्षेत्र में कड़ी मेहनत व लगन से अपनी सेवा निभाने वाले टीचर्स के कार्यों की भरपूर सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की कठिन परिस्थितियों में भी ए.पी.जे. शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों ने वर्चुएल शिक्षण के माध्यम से जिस तरह स्टूडैंट्स के साथ जुड़कर उनकी स्टडीज को जारी रखा, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने न केवल इतिहास रचा, बल्कि स्टूडैंट्स का उचित मार्गदर्शन करते हुए उनके सच्चे गुरु की भी भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि ए.पी.जे. एजुकेशन सोसाइटी के संस्थापक डा. सत्यपाल जी भी एक महान शिक्षक थे, जिन्होंने जिंदगी से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें हमें सिखाई कि दृढ़ निश्चय, समर्पण एवं कड़ी मेहनत से हम जीवन की प्रत्येक चुनौती का बाखूबी सामना कर सकते हैं। डा. बर्लिया ने कहा कि चाहे हमें कोविड-19 महामारी ने घरों में बंद होने को मजबूर कर दिया है, परन्तु सभी लोगों ने अपने दिल व दिमाग में समन्वय कायम करके सकारात्मक्ता को अपनाया व इस चुनौती का सामना भी किया।

वबीनार में आदित्य बर्लिया व निशान्त बर्लिया ने अपने संबोधन में शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस कठिन समय में भी उनके शिक्षकों ने ऑनलाईन टीचिंग टैक्नॉलोजी को अपनाकर एकजुटता के साथ कार्य करते हुए सभी को संकट के समय में भी नौतिक मूल्यों के महत्व से परिचित करवाया है। नेहा बर्लिया ने शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए स्टूडैंट्स व उनके पेरैंट्स को भी इस कठिन समय का मजबूती से सामना करने पर हर्ष व्यक्त किया।